KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# कक्षा - 12

## समकालीन विश्व राजनीति

### अध्याय - 2

# सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र

### भाग - 5

Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

# अर्थव्यवस्था सोवियत मॉडल आधारित

आर्थिक रूप से पिछड़ा था चीन

पूंजीवादी दुनिया से रिश्ते तोड़।

अपने ही संसाधनों से गुजारा करने के सिवाय कोई चारा नहीं

खेती से पूंजी निकाल कर सरकारी नियंत्रण बड़े उद्योग खड़े करने पर जोर

विदेशी बाजारों से तकनीक खरीदने के लिए विदेशी मुद्रा की कमी

आयातित सामानों को घरेलू स्तर पर ही तैयार करवाना शुरू किया।

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

योजनाओं को लाभ देने के दायरे में लाया गया।

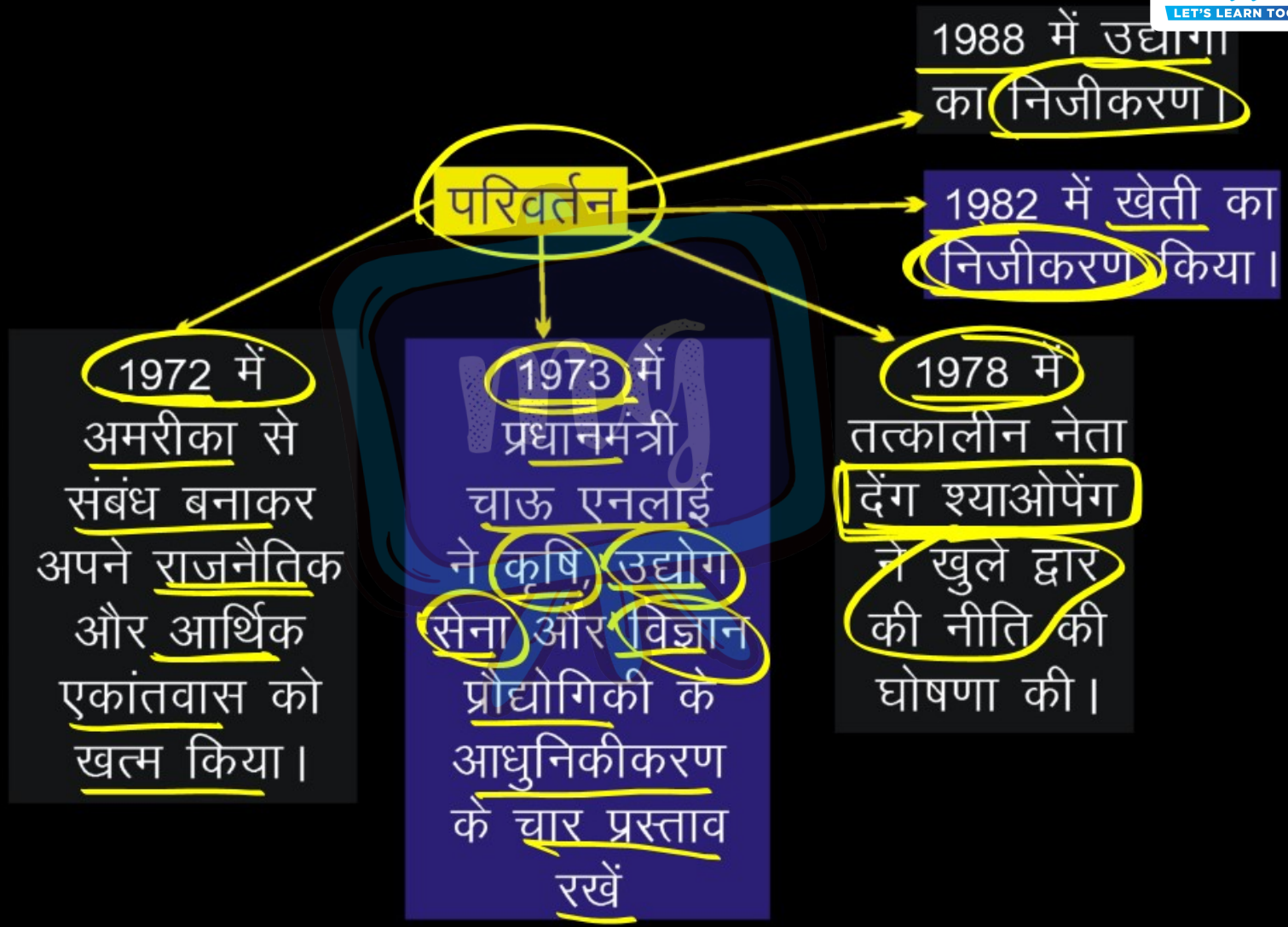
- अपने नागरिकों को शिक्षित करने और उन्हें स्वास्थ्य सुविधाऐं मुहैया करवाने में चीन विकसित देशों से आगे निकल गया।

समस्या :- जनसंख्या में 2-3 फीसदी वार्षिक वृद्धि।

- खेती की पैदावार उद्योगों की पूरी जरूरत लायक अधिशेष नहीं दे पाती थी।
- औद्योगिक उत्पादन पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ रहा था। विदेशी व्यापार न के बराबर और प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

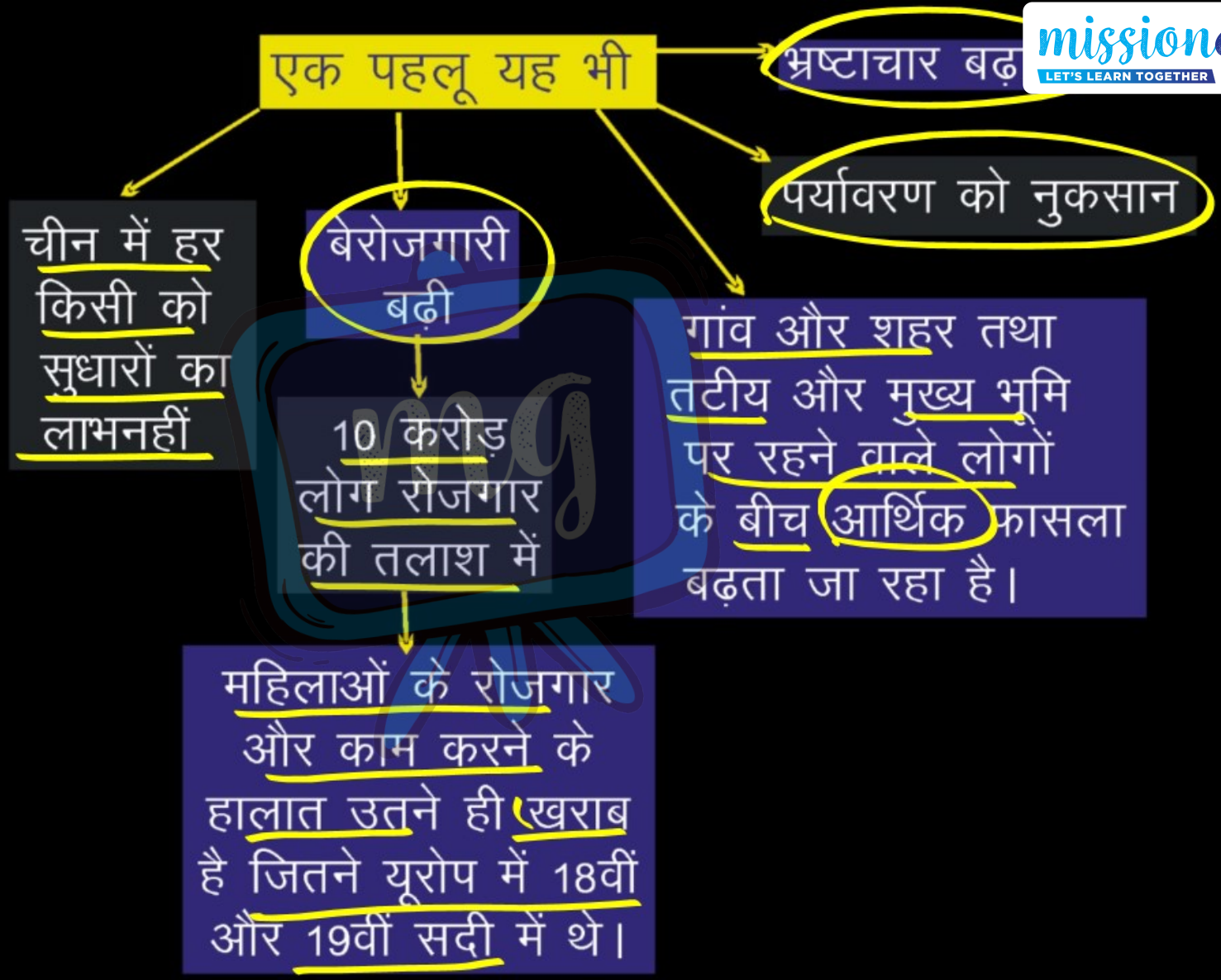
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## परिणाम :-

- कृषि उत्पादों तथा ग्रामीण आय में उल्लेखनीय वृद्धि।
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था से निजी बचत बढ़ी और इससे ग्रामीण उद्योगों की तादाद तेजी से बढ़ी।
- उद्योग और कृषि दोनों में ही चीन की वृद्धि दर तेज रही।
- व्यापार के नये कानून तथा विशेष आर्थिक क्षेत्रों के निर्माण से विदेश व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
- चीन पूरे विश्व में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए सबसे आकर्षक देश बनकर उभरा।
- चीन के पास अब विदेशी मुद्रा का विशाल भण्डार है, इसके दम पर चीन अब दूसरे देशों में निवेश कर रहा है।
- 2001 में चीन विश्व व्यापार संगठन में शामिल हो गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शक्ति बनकर उभरा है कि उसका सभी लोहा मान

- अपने व्यावसायिक साझीदारों पर चीन का जबरदस्त प्रभाव बन चुका है।
- यही कारण है कि जापान, अमरीका, असियान और रूस सभी व्यापार के आगे चीन से बाकी विवादों को भुला चुके हैं।
- 1997 के वित्तीय संकट के बाद असियान देशों की अर्थव्यवस्था को टिकाये रखने में चीन के आर्थिक उभार ने काफी मदद की।
- लातिनी अमरीका और अफ्रीका में निवेश और मदद की नीतियां बताती हैं कि विकासशील देशों के मामले में चीन एक विश्व शक्ति के रूप में उभरता जा रहा है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

पश्चिमी साम्राज्यवाद के उदय से पहले दोनों ही एशिया की महाशक्ति

## चीन

- चीन का अपने आस–पास के इलाकों पर काफी प्रभाव
  - छोटे देश इसके प्रभुत्व को मानकर कुछ नजराना देकर चैन से रहा करते थे।
    - मंगोलिया, कोरिया हिन्द–चीन के कुछ इलाके और तिब्बत इसकी आधीनता मानते थे।

## भारत

- भारत के राजवंशों का प्रभाव अपने राज्य से बाहर भी।
  - प्रभाव सिर्फ राजनैतिक ही नहीं आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक भी था।

## दोनों के बीच

- अपने प्रभाव–क्षेत्र में कभी नहीं टकराये।
- दोनों के बीच प्रत्यक्ष राजनीतिक और सांस्कृतिक संबंध नहीं।
  - दोनों एक–दूसरे को जान नहीं सके।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 20वीं सदी में भारत और चीन एक दूसरे से टकराय - तो विदेश नीति निर्माण में मुश्किलें।

उम्मीद -

- भारत में अंग्रेजी राज समाप्त होने और चीन द्वारा विदेशी शक्तियों को निकाल कर बाहर करने से।
- दोनों देश साथ आकर विकासशील दुनिया और खासतौर एशिया के भविष्य को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## समस्याऐं :-

- 1950 में चीन द्वारा तिब्बत को हड़पने तथा भारत चीन सीमा पर बस्तियां बनाने के फैसले से दोनों देशों के बीच संबंध गड़बड़।
- 1962 में भारत-चीन युद्ध।
- 1976 तक दोनों के मध्य कूटनैतिक संबंध समाप्त।
- 1981 में सीमा विवादों को दूर करने के लिए वार्ताओं की श्रृंखला शुरू की गयी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद :-

- दिसम्बर 1988 में राजीव गांधी द्वारा चीन का दौरा करने से भारत-चीन संबंधों को सुधारने के प्रयासों को बढ़ावा मिला।
- दोनों देशों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में परस्पर सहयोग और व्यापार के लिए सीमा पर चार पोस्ट खोलने के लिए समझौते किये।
- 1999 से भारत और चीन के बीच व्यापार 30 फीसदी की सालाना दर से बढ़ रहा है।
- परिवहन और संचार मार्गों की बढ़ोत्तरी, समान आर्थिक हित तथा एक जैसे वैश्विक सरोकारों के कारण भारत और चीन के बीच संबंधों को ज्यादा सकारात्मक तथा मजबूत बनाने में मदद मिली है।